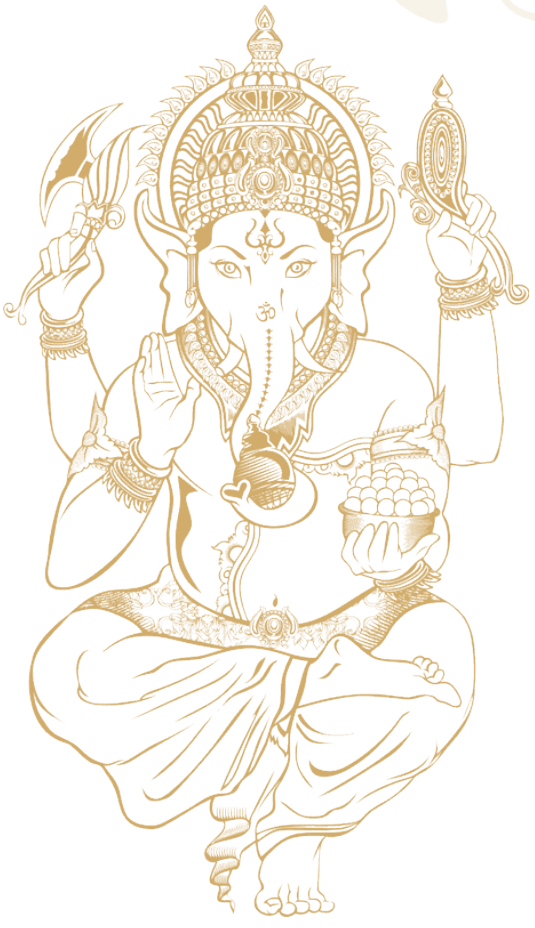

Devarsh

Dhara

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121496702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24-25/09/1998	जन्म तिथि	16/03/2001
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	22:15:00 घंटे
घटी 48:16:34	जन्म समय(घटी)	38:44:13 घटी
India	देश	India
Vadodara	स्थान	Raigarh
22:19:00 उत्तर	अक्षांश	18:36:00 उत्तर
73:14:00 पूर्व	रेखांश	72:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:04	स्थानिक संस्कार	-00:38:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:22	सूर्योदय	06:46:13
18:30:42	सूर्यास्त	18:48:11
23:50:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 12वर्ष 6मा 14दि	03:27:54	कर्क	लग्न	तुला	21:23:35	केतु 6वर्ष 9मा 10दि
शनि	07:44:23	कन्या	सूर्य	मीन	02:17:12	शुक्र
10/04/2011	22:52:57	तुला	चंद्र	धनु	00:25:09	27/12/2007
10/04/2030	28:20:50	कर्क	मंगल	वृश्चि	20:37:50	27/12/2027
शनि 13/04/2014	06:55:28	कन्या	बुध	कुंभ	05:27:13	शुक्र 27/04/2011
बुध 21/12/2016	28:04:03	कुंभ व	गुरु	वृष	11:16:49	सूर्य 27/04/2012
केतु 30/01/2018	28:32:05	सिंह	शुक्र व	मीन	22:38:51	चन्द्र 26/12/2013
शुक्र 01/04/2021	08:27:45	मेष व	शनि	वृष	02:28:28	मंगल 25/02/2015
सूर्य 14/03/2022	07:14:02	सिंह व	राहु व	मिथु	18:34:54	राहु 25/02/2018
चन्द्र 13/10/2023	07:14:02	कुंभ व	केतु व	धनु	18:34:54	गुरु 26/10/2020
मंगल 21/11/2024	15:12:31	मक व	हर्ष	मक	28:54:08	शनि 27/12/2023
राहु 28/09/2027	05:37:27	मक व	नेप	मक	14:06:00	बुध 27/10/2026
गुरु 10/04/2030	11:53:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:24:34	केतु 27/12/2027

लग्न-चलित

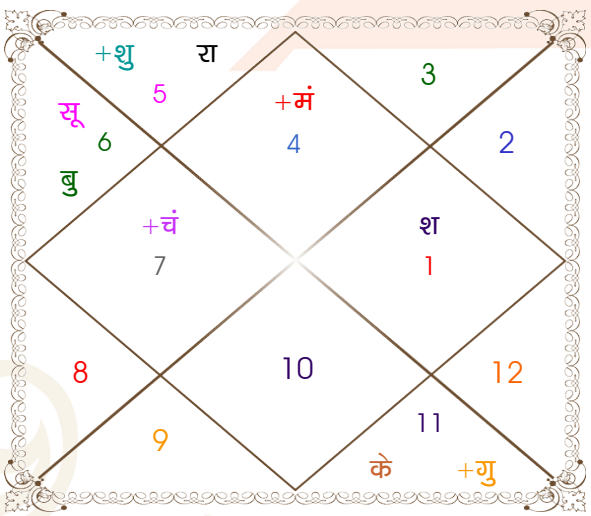

लग्न-चलित

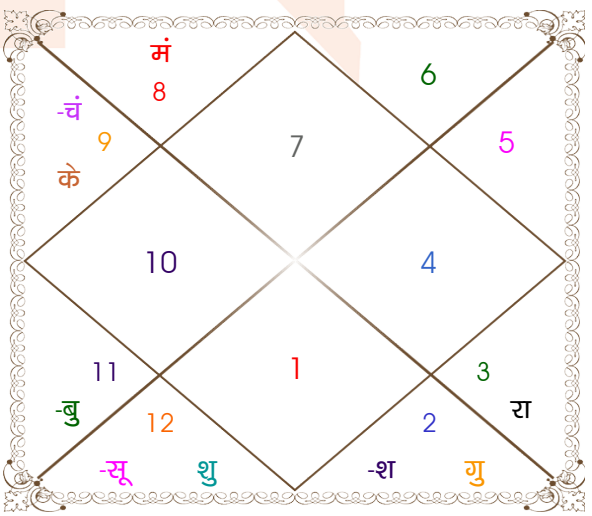

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Devarsh का वर्ग सर्प है तथा Dhara का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devarsh और Dhara का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Devarsh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Devarsh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Dhara मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Devarsh तथा Dhara में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।